June-July 2022

SRMS Trust Bulletin

आराम

SRMS मेडिकल कॉलेज में REGIONAL CENTRE स्थापित - PAGE 10

- अंग्रेजों भारत छोड़ों आंदोलन में स्वतंत्रता सेनानी राममूर्ति जी हुए गिरफ्तार – PAGE 03
- स्वास्थ्य मेले में महिलाएं कराई जांचे – PAGE 08
- रिद्धिमा में एक मंच पर आये गीत, संगीत, डांस और ड्रामा – PAGE 12
- गर्भावस्था में डायबिटीज, मां और बच्चों पर जोखिम – PAGE 15
- ट्रस्ट की पुरस्कृत कहानी 'आत्म मंथन'- PAGE 18

SRMS मेडिकल कॉलेज में स्टाफ सम्मानित - PAGE 04

SRMS

A Centre of Performing & Fine Arts

Affiliated to Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh (Chhattisgarh)

Riddhima

शास्त्रीय संगीत

गायन

वादन

शास्त्रीय नृत्य

कथक

भरतनाट्यम

अभिनय

नाटक

रंगमंच

ललित कला

रेखांकन

चित्रकला

FOR ADMISSION CONTACT

0581-2530000, 9458701600

एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज के उपलब्धियों भरे 20 वर्ष

चार जुलाई 2002 को स्थापित एसआरएमएस इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज ने अपनी यात्रा के उपलब्धियों भरे 20 वर्ष पूर्ण कर लिए। इन वर्षों में 90 लाख से ज्यादा मरीजों ने यहां परामर्श लिया और 4.5 लाख से ज्यादा लोगों ने सर्जरी कराई। मेडिकल की पढ़ाई के लिए विद्यार्थियों द्वारा एसआरएमएस को चुनना इसकी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का बड़ा प्रमाण है। एनएबीएच की पूर्ण मान्यता हासिल करने वाले गिनते के मेडिकल संस्थानों में शामिल एसआरएमएस मेडिकल कालेज में कोक्लियर इंप्लांट और किडनी ट्रांसप्लांट जैसे क्रिटिकल माने जाने वाले आपरेशन भी सफलतापूर्वक किए जा रहे हैं। इंडिया टुडे ने अपने सर्वे में इसे देश भर के सभी मेडिकल कालेजों की रैंकिंग में 34वां स्थान दिया है। नेशनल मेडिकल कमीशन ने इसी बदौलत यहां मेडिकल एजूकेशन का रीजनल सेंटर स्थापित किया। अपने 20वें स्थापना दिवस पर 15 वर्ष से ज्यादा यहां कार्यरत 460 लोगों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित करना, सबको साथ लेकर चलने की नीति का ही परिणाम है। निसंदेह यह प्रोत्साहन इन सबके साथ दूसरे साथियों को भी सर्वश्रेष्ठ कार्य करने की प्रेरणा देगा। कालेज की विजनरी लीडरशिप और टीम को 21वें स्थापना दिवस पर हार्दिक बधाई।

जय हिंद

अमृत कलश

''हमारी हर नई संपत्ति हम पर एक नया बोझ डाल देती है।।''

EDITORIAL TEAM

Amit Awasthi	-	Editor
Indu Dixit	-	Photographer
Dharmedra Kumar	-	Photographer
Ashish Arora	-	Photographer
Yasmeen Khan	-	Designer
Vineet Sharma	-	(Co-Ordinator, IMS)
Dr. Ekta Rastogi	-	(Co-Ordinator, IBS)

Mail us: amit.awasthi@srms.ac.in, www.srms.ac.in

13 km., Ram Murti Puram, Nainital Road, Bhojipura Bareilly (U.P.) Mob.: 9458706090, 0581-2582000

भारत छोड़ो आंदोलन में राममूर्ति जी हुए गिरफ्तार

हमारे प्रेरणा स्रोत

स्व. श्री राम मूर्ति जी

08.02.1910 - 02.10.1988

देश की आजादी में सक्रिय संघर्ष करने के कारण स्वतंत्रता सेनानी राममूर्ति जी अन्य स्वतंत्रता सेनानियों की तरह कई बार जेल गए। उन्होंने महात्मा गांधी के आह्वान पर विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करने के साथ असहयोग आंदोलन का सफलतापूर्वक संचालन किया। 1942 में महात्मा गांधी ने अंग्रेजों के खिलाफ भारत छोड़ो आंदोलन का समर्थन किया। राममूर्ति जी ने भी इस आंदोलन में सक्रिय भागीदारी निभाई। अंग्रेजों ने उन्हें एक अगस्त 1942 को गिरफ्तार कर लिया। मांफी मांगने की शर्त ठुकरा देने पर उन्हें ढाई साल काल कोठरी की भीषण सजा सुनाई गई। अंधकार से भरी उनकी कोठरी में रोशनी के लिए सिर्फ एक छेद रखा गया। जिससे दिन-रात का अहसास हो। खाने का सामान रखने के लिए मिट्टी के सिर्फ दो बर्तन उन्हें दिए गए। दैनिक क्रियाओं का संपादन भी इन्हीं से करना होता था। अंग्रेज अफसर उन्हें परेशान करने के लिए उनकी कोठरी में कई बार गंदा मैला तक डाल देते थे। इसके बाद भी राम मूर्ति जी ने मांफी नहीं मांगी। घोर यातनाओं के बाद भी वे राष्ट्रधर्म और समाज धर्म से टस से मस नहीं हुए। उन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने कर्तव्य को बड़ा समझा। आखिरकार अंग्रेजों को उनके आगे झुकना पड़ा। ऐसे स्वतंत्रता सेनानी को सादर नमन।

श्रद्धांजलि

देश की आजादी बाद इस्लामिया इंटर कालेज में स्वतंत्रता दिवस समारोह में झंडारोहण करते स्वतंत्रता सेनानी श्रीराममूर्ति जी (फोटो एसआरएमएस आर्काइव)

Vision

- To be partner in building India a world leader in Medical Education & Health Care.
- To establish & develop world class self reliant institute for imparting Medical and other Health Science education at under-graduate, post-graduate & doctoral levels of the global competence.
- To serve & educate the public, establish guidelines & treatment protocols to be followed by treating hospitals.
- To provide quality & affordable health care facilities and services to all sections of society.

Mission

- To strive incessantly to achieve the goals of the Institution.
- To impart academic excellence in Medical Education.
- To practice medicine ethically in line with the global standard protocols.
- To evolve the Institution to the status of a Deemed University.
- Our Students - Our Assets.
- Our Staff - Our Means.

Values

Integrity **Excellence**
Fairness **Innovativeness**

एसआरएमएस मेडिकल कालेज के 21वें स्थापना दिवस पर देव मूर्ति जी का संदेश

प्लानिंग कर आगे बढ़ें, मिलेगा रिजल्ट

15 वर्ष से ज्यादा सेवारत 460 स्टाफ को प्रशंसा पत्र और गिफ्ट से सम्मान

NURSING: Joyce Wilson

TECHNICAL: Mariamma Reji

ADMINISTRATION: Afsar Ali

- चेयरमैन की ओर से एमएस सहित छह चिकित्सकों को विशेष प्रशंसा पत्र
- तीन विभागाध्यक्षों सहित छह चिकित्सकों को भी मिला प्रशंसा पत्र
- एसआर डा.निदा चौधरी ने हासिल किया प्रिंसिपल्स स्पेशल एप्रीशिएशन
- रेडिएशन ओन्कोलॉजी, ईएनटी और फिजियोलाजी विभाग को भी प्रशंसा पत्र
- तीन यूनिटों को भी विशेष प्रशंसा पत्र देकर किया गया सम्मानित
- आईसीएमआर से प्रोजेक्ट स्वीकृत होने पर दो विद्यार्थियों को भी प्रशंसा पत्र
- डा.एमपी रावल बने प्रोफेसर, डा.अशिता और डा.निधि एसोसिएट प्रोफेसर

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल कालेज ने अपने 21वें स्थापना दिवस को महिला और बालिका स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को सुपुर्द किया। 4 जुलाई को स्थापना दिवस पर संस्थान के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने 15 वर्षों से ज्यादा समय से संस्थान में कार्यरत 460 स्टाफ को सम्मानित किया। सभी को उनकी अमूल्य सेवा के लिए प्रशस्ति पत्र के साथ गिफ्ट भी प्रदान किया गया। इसमें डाक्टर, नर्सिंग, टेक्निकल, प्रशासनिक, वार्ड आया, वार्ड ब्वाय, सिक्युरिटी, सर्विसेज, मेस, स्वच्छता कर्मी, कांट्रेक्टर और श्रमिक शामिल रहे। स्थापना दिवस पर चेयरमैन की ओर से एमएस डा. आरपी सिंह सहित छह चिकित्सकों को विशेष प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया। इसके साथ ही तीन विभागाध्यक्षों समेत छह चिकित्सकों को भी उनके योगदान के लिए प्रशंसा पत्र दिया गया। सीनियर रेजिडेंट डा.निदा चौधरी को प्रिंसिपल्स स्पेशल एप्रीशिएशन मिला। तीन विभागों रेडिएशन ओंकोलाजी, ईएनटी, फिजियोलाजी और तीन यूनिटों रीनल ट्रांसप्लांट, मेडिकल एजूकेशन, स्किल लैबोरेटरी को भी विशेष प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया। इसके साथ ही आईसीएमआर से प्रोजेक्ट स्वीकृत होने पर दो विद्यार्थियों सिद्धार्थ तनेजा, नितिन यादव को भी प्रशंसा पत्र हासिल हुआ। इस मौके पर डा.एमपी रावल को प्रोफेसर, डा.अशिता मोवार और डा.निधि जौहरी को असोसिएट प्रोफेसर के पद पर प्रमोशन भी मिला। सम्मान समारोह से पहले देव मूर्ति जी ने अपने पिता और संस्थान के प्रेरणा श्रोत स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय श्रीराम मूर्ति के चित्र पर माल्यार्पण अर्पित कर हवन

नमन...

PEON: Devki Nandan

WARD AYA: Munni Devi

WARD BOY: Beni Ram

SECURITY: Hari Om Gangwar

SERVICES: Mukesh Kumar Yadav

MESS: Bhoop Ram

पूजन किया और बाद में पौधारोपण। इस मौके पर विद्यार्थियों के कनेक्सस क्लब ने भी केक काटा और चेयरमैन देवमूर्ति जी को उनके जन्मदिन पर बधाई दी। इस मौके पर देवमूर्ति जी ने सभी को धन्यवाद देने के साथ रिजल्ट के लिए प्लानिंग कर आगे बढ़ने का संदेश दिया।

स्थापना दिवस समारोह मेडिकल कालेज स्थित आडिटोरियम में सुबह 10.30 बजे और इंजीनियरिंग कालेज स्थित सेंटेनियल आडिटोरियम में शाम 3.30 बजे आयोजित हुआ। जिसका संचालन विनीत शर्मा और डा.सुरभि चंद्रा ने किया। कालेज के डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति ने बीस वर्ष से संस्थान में सेवारत डाक्टर और अन्य स्टाफ सहित सभी का स्वागत किया और 21वें स्थापना दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि चार जुलाई 2002 में संस्थान की स्थापना के समय कुल 278 का स्टाफ था। आज 26 सौ से ज्यादा की टीम हमारे साथ है। हमारे यहां 90 लाख से ज्यादा मरीज परामर्श ले चुके हैं और हमने 4.5 लाख से ज्यादा सर्जरी को अंजाम दिया है। आसपास के 15 जिलों के साथ कुमायूं, गढ़वाल, नेपाल से मरीज यहां पर इलाज के लिए आ रहे हैं। हमने किडनी ट्रांसप्लांट शुरू कर दिया है। अब दूसरे देशों के मरीजों के उपचार के लिए भी हमारी तैयारी है। आप सब की बदौलत ही देश में आज एसआरएमएस मेडिकल कालेज का नाम है। इंडिया टुडे ने देश भर के सभी

SWACHTA KARMI: Santosh

अभिनंदन

मेडिकल कालेजों की रैंकिंग में हमें 34वां स्थान दिया है। जो पिछले वर्ष 38वां था। हमें विश्वास है कि आने वाले वर्षों में हम देश के टाप 10 मेडिकल कालेजों में स्थान बनाएंगे। बीस वर्ष में हमने एक दूसरे के विश्वास के साथ समाज का भी भरोसा हासिल किया है। इसी वजह से मरीज हमारे यहां इलाज के लिए आता है और विद्यार्थी पढ़ने के लिए। यह हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है। यहां दी जा रही गुणवत्तापूर्ण सेवाओं को मान्यता देते हुए एनएबीएच ने पूर्ण प्रमाण पत्र प्रदान किया है। मेडिकल एजूकेशन के लिए एनएमसी ने रीजनल सेंटर हमारे यहां स्थापित किया है।

एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने ट्रस्ट की स्थापना और उसके दौरान किए गए संघर्ष का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा सेल्फ फाइनेंस स्कीम लागू की और होने के बाद 1994 में उ.प्र. का पहला इंजीनियरिंग कालेज खोलने की उपलब्धि हमारे नाम दर्ज हुई। मेडिकल कालेज की स्थापना का संकल्प भी 2002 में पूरा हुआ। इसके लिए कई मुश्किलों का भी सामना किया। तमाम लोगों ने विरोध किया। लेकिन प्रभु की कृपा से सारी मुश्किलें दूर हुई। हम मेहनत कर सकते हैं, लेकिन सफलता प्रभु की कृपा से ही मिलती है। आप सब भी मेहनत से न डरें। संकल्प लें और सोच समझ कर उसे पूरा करने का प्रयास करें। वरना आपका संकल्प शेखचिल्ली बना देगा। ऐसे में प्लानिंग करिए और संकल्प को पूरा करने

हवन

जन्म दिन पर बधाई

APPRECIATION

Certificate of appreciation for patient care, academic and research work and valued contribution towards development of the Institute

Chairman's Special Appreciation

Dr. Rajendra Pal Singh

Dr. Milan Jaiswal

Dr. Sudesh K. Sagar

Dr. Sanjay Gupta

Dr. Smita Gupta

Dr. Shobhit Sharma

Certificate of Appreciation

Dr. Lalit Singh

Dr. Rohit Sharma

Dr. Shashi Bala Arya

Dr. Neeraj Prajapati

Dr. Surbhi Pandey

Dr. Ayush Garg

ICMR-STS 2020 Project
(Proposal Accepted by ICMR)

Mr. Siddhartha Taneja
(Guide - Dr Huma Khan)

Mr. Nitin Yadav
(Guide - Dr Anand Gautam Jadhav)

के लिए आगे बढ़िए। आप सबकी हिम्मत और मेहनत से ही कोरोना काल में भी हमने मरीजों को स्वस्थ करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। देव मूर्ति जी ने कहा कि आने वाले महीनों में हम कैंसर अस्पताल शुरू कर देंगे। जहां हर तरह के कैंसर की जांच और इलाज उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि आज हम मेडिकल कालेज की स्थापना के 20 वर्ष पूरे कर चुके हैं। आज भी तमाम साथी ऐसे हैं जिन्होंने इतने वर्षों से हमारा साथ दिया। ऐसे सभी लोगों के प्रयास से ही आज एसआरएमएस अपनी पुख्ता पहचान बनाने में कामयाब हुआ है। आज 21वें स्थापना दिवस पर आप सबको बधाई। स्थापना दिवस समारोह में सभी का स्वागत मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल डा.एसबी गुप्ता ने किया। अंत में उपस्थित सभी का आभार मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डा.आरपी सिंह ने जताया और धन्यवाद दिया। इस मौके पर ट्रस्टी आशा मूर्ति जी, उषा गुप्ता जी, ऋचा मूर्ति जी, गुरु मेहरोत्रा, सुभाष मेहरा, नर्सिंग कालेज की प्रिंसिपल डा.रिंटू चतुर्वेदी, सीईटीआर के प्रिंसिपल डा.एलएस मौर्य, डिप्टी मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डा.सीएम चतुर्वेदी, वाइस प्रिंसिपल डा.एनएल अरोड़ा, डीन यूजी डा.नीलिमा मेहरोत्रा, डीन पीजी डा.पीएल प्रसाद, डीन एकेडेमिक्स सीईटी डा.प्रभाकर गुप्ता, डा.अनुज कुमार, सभी विभागाध्यक्ष, चीफ मैट्रन लेफ्टिनेट कर्नल (सेवानिवृत) एलियम्मा और स्टाफ मौजूद रहा।

APPRECIATION

Certificate of appreciation to the Department

Radiation Oncology

Otorhinolaryngology

Physiology

Certificate of Appreciation for Special Recognition to the Units

Renal Transplant

Medical Education

Skills Laboratory

श्रृद्धांजलि

विमोचन

Principal's Special Appreciation

Dr. Nida Choudhry
Senior Resident
(Respiratory Medicine)

Welcome

Plantation

21वें स्थापना दिवस पर एसआरएमएस मेडिकल कालेज में लगा स्वास्थ्य मेला

दो हजार से ज्यादा महिलाओं ने उठाया मेला का लाभ

नुक्कड़ नाटक

- पहले दिन जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल ने किया मेला का उदघाटन
- हाईकोर्ट की न्यायाधीश ने दिया व्यायाम, पौष्टिक खुराक लेने का संदेश
- अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण ने मेला को सराहा
- स्वास्थ्य मेला में की जा रही निशुल्क जांचों को सीएमओ ने बताया सेवा

रश्मि पटेल ने किया उद्घाटन

बरेली: 21वें स्थापना दिवस पर एसआरएमएस मेडिकल कालेज में पांच दिवसीय स्वास्थ्य मेला आयोजित हुआ। ''स्वस्थ नारी शक्ति हमारी'' थीम से महिलाओं और बालिकाओं के स्वास्थ्य पर फोकस इस मेले में सभी ओपीडी जांचों पर 20 फीसद की छूट के साथ कैंसर स्क्रीनिंग, शुगर, ईसीजी और हीमोग्लोबिन की निशुल्क जांच की गई। कैंप में आने वाली महिलाओं को पोषण आहार, कैल्शियम, आयरन और विटामिन टेबलेट भी निशुल्क प्रदान की गई। 2045 महिलाओं ने मेले का लाभ उठाया। पांचों दिन महिला स्वास्थ्य से संबंधित विषयों पर परिचर्चा हुई और नुक्कड़ नाटक आयोजित कर उन्हें जागरूक किया गया। मेला में आने वाले अतिथियों ने कैंप एरिया के साथ फिजियोथेरेपी, एमआरआई, कैंसर विभाग और आईसीयू में सुविधाओं और विश्वस्तरीय उपकरणों की जानकारी ली। सभी ने कालेज परिसर में पौधारोपण भी किया।

पहले दिन पांच जुलाई को ''स्वस्थ नारी शक्ति हमारी'' स्वास्थ्य मेले का उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल ने किया। उन्होंने ऐसे आयोजनों पर खुशी जताई और कहा कि इससे महिलाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ती है और वो स्वस्थ रहकर परिवार को स्वस्थ रखने के साथ राष्ट्र निर्माण में भी सहभागिता निभाती हैं। पहले दिन डा.स्मिता गुप्ता, डा.शशिबाला आर्य और डा.सुरभि चंद्रा ने महिलाओं में खून की कमी और इससे होने वाली बीमारियां और बचाव की जानकारी दी। इसी विषय पर पैरामेडिकल के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक प्रदर्शित किया। पहले दिन 325 महिलाओं ने स्वास्थ्य मेले का लाभ उठाया। दूसरे दिन स्वास्थ्य मेला का उद्घाटन हाईकोर्ट की जज (बरेली की पूर्व जिला न्यायाधीश) रेणु अग्रवाल ने किया। वे महिलाओं में बढ़ते कैंसर विषय पर आयोजित परिचर्चा में भी हुईं और महिलाओं को शारीरिक व्यायाम और पौष्टिक खुराक का संदेश दिया। परिचर्चा में डा.शांति शाह और डा. राशिका सचान ने महिलाओं को कैंसर संबंधित जानकारी दी और उनके सवालों के जवाब दिए। इसी विषय पर नर्सिंग के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। दूसरे दिन पौने चार सौ महिलाओं ने रजिस्ट्रेशन कराया। तीसरे दिन 390 महिलाओं ने स्वास्थ्य मेला का लाभ उठाया। इस दिन डा.मृदु सिन्हा, डा.अतुल कुमार और डा.अभिनव पांडेय ने गर्भवती महिलाओं एवं बालिकाओं में टीकाकरण पर परिचर्चा में हिस्सा लिया। इसी विषय पर मेडिकल के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। चौथे दिन मेला का उद्घाटन अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण बरेली मंडल डा.दीपक ओहरी, उनकी पत्नी सीमा ओहरी और संयुक्त निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य डा.वागीश वैश्य व उनकी पत्नी बबिता गुप्ता ने किया। इस दिन डा. नम्रता सिन्हा, डा.अनीता कुमारी और डा.धर्मेंद्र गुप्ता ने

हवन पूजन कर मनाया गुडलाइफ हास्पिटल का पांचवां स्थापना दिवस

- 19 जुलाई 2018 को एसआरएमएस ट्रस्ट ने दिया गुडलाइफ हास्पिटल
- 23 जुलाई तक निशुल्क जांचों के लिए लगाया गया हैल्थ चेकअप कैंप

बरेली: ''होम अवे फ्राम होम'' कांसेप्ट से चार वर्ष पहले स्थापित एसआरएमएस गुडलाइफ हास्पिटल ने आज अपना पांचवां स्थापना दिवस मनाया। एसआरएमएस की ट्रस्टी आशा मूर्ति जी, एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति जी और गुडलाइफ हास्पिटल की डायरेक्टर ऋचा मूर्ति जी ने स्टाफ के साथ विधि विधान से हवन किया और सभी को स्थापना दिवस की बधाई दी। ऋचा मूर्ति जी कहा कि एसआरएमएस ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति जी ने 19 जुलाई 2018 को गुडलाइफ हास्पिटल की स्थापना की थी। अपने डाक्टर और स्टाफ की मेहनत से हमने अलग पहचान बनाई और चार वर्षो में अच्छा काम किया। इसके लिए विभिन्न संस्थाओं की ओर से प्रशंसा पत्र भी मिले और सम्मान भी। हाईजीन और नर्सिंग केयर में हमने एक अलग पहचान बनाई। इन वर्षो में गुडलाइफ में 24,000 से अधिक मरीजों ने परामर्श लिया। 2000 से ज्यादा लैप्रोस्कोपिक सर्जरी और दर्दरहित जीरो तकनीकी से 350 से अधिक घुटना प्रत्यारोपण कर गुडलाइफ हास्पिटल में सर्जरी के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। वजन कम करने में महत्वपूर्ण बैरियाट्रिक सर्जरी से लेकर कैंसर सर्जरी तक हम सफलतापूर्वक कर रहे हैं। किडनी एवं प्रोस्टेट के सभी आपरेशन, किडनी ट्रांसप्लांट, डायलिसिस भी यहां पर उपलब्ध है। इस मौके पर डा. नीलिमा मेहरोत्रा, डा. एमपी रावल, डा.मालिनी कुलश्रेष्ठ, डा.अमित सक्सेना, डा.महेश त्रिपाठी, डा.ध्रुव गोयल, डा. आकृति बैजल, डा. वैभव आदि मौजूद रहे।

हवन

सीएमओ डॉ. बलवीर सिंह

परिचर्चा आमने-सामने

आशा वर्कर को स्मृति चिह्न

महिलाओं में कुपोषण, बीमारियां और संतुलित आहार पर परिचर्चा की। इसी विषय पर मेडिकल के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक किया। चौथे दिन पौने पांच सौ महिलाओं ने स्वास्थ्य मेला के लाभ उठाया। अंतिम दिन नौ जुलाई को मेला का उद्घाटन सीएमओ डा.बलबीर सिंह ने किया। इस दिन वृद्धावस्था में स्वास्थ्य समस्याएं, जागरूकता और बचाव पर परिचर्चा हुई। जिसे डा.दीपक दास ने कोआर्डिनेट किया और विशेषज्ञ डा. एमपी रावल और डा.शुभांगी गुप्ता ने महिलाओं के सवालों के जवाब दिए। इसी विषय पर मेडिकल के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। अंतिम दिन 480 महिलाओं ने स्वास्थ्य जांच करायी। इस मौके पर एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डा.आरपी सिंह, प्रिंसिपल डा.एसबी गुप्ता, डिप्टी एमएस डा.सीएम चतुर्वेदी, डा. नीलिमा मेहरोत्रा, डा.तनु अग्रवाल, डा. शशिबाला आर्य, आशा कार्यकर्ता रामश्री और उनकी टीम मौजूद रहीं।

पूर्व जिला जज रेनू अग्रवाल को दिया स्मृति चिह्न

डिप्टी डायरेक्टर मेडिकल हैल्थ डॉ. दीपक ओहरी

एनएमसी के अंडर ग्रेजुएट मेडिकल एजूकेशन बोर्ड प्रेसिडेंट डा.अरुणा ने किया उद्घाटन

नेशनल मेडिकल कमीशन का रीजनल सेंटर स्थापित

श्री राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज में 30 जून को एनएमसी के रीजनल सेंटर के उद्घाटन समारोह में उपस्थित एनएमसी के अंडर ग्रेजुएट मेडिकल एजूकेशन बोर्ड की प्रेसिडेंट डा.अरुणा वी. वानिकर, अंडर ग्रेजुएट मेडिकल एजूकेशन बोर्ड के सदस्य डा.विजयेंद्र कुमार, एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी, डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति जी, प्रिंसिपल डा.एसबी गुप्ता, रीजनल सेंटर की कोआर्डिनेटर डा.बिंदु गर्ग, डीन पीजी डा.पीएल प्रसाद और डीन यूजी डा.नीलिमा मेहरोत्रा, एथिकल कमेटी के अध्यक्ष डा.अतुल अग्रवाल और मेडिकल एजूकेशन यूनिट के फैकेल्टी मेंबर।

- एमएनसी ने मेडिकल एजूकेशन टेक्नोलाजी के लिए उ.प्र. में बनाए हैं दो सेंटर
- लखनऊ में केजीएमयू और बरेली के एसआरएमएस में बनाए गए हैं रीजनल सेंटर

दीप प्रज्वलन

बरेली: श्री राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (एसआरएमएस आईएमएस) में 30 जून 22 को नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) का रीजनल सेंटर स्थापित किया गया। मेडिकल एजूकेशन टेक्नोलाजी के लिए एनएमसी ने इस वर्ष उ.प्र. में सिर्फ दो रीजनल सेंटर बनाए हैं। इसमें वर्ष 1911 से मेडिकल शिक्षा देने वाले लखनऊ स्थित केजीएमयू और वर्ष 2005 से मेडिकल शिक्षा देने वाले एसआरएमएस इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज को चुना है। एनएमसी के अंडर ग्रेजुएट मेडिकल एजूकेशन बोर्ड की प्रेसिडेंट डा.अरुणा वी. वानिकर और अंडर ग्रेजुएट मेडिकल एजूकेशन बोर्ड के सदस्य डा.विजयेंद्र कुमार ने इसका उद्घाटन किया। उन्होंने मेडिकल के विद्यार्थियों से भी बात की, कालेज और हास्पिटल का भी दौरा किया। उन्होंने गांव प्रह्लादपुर जाकर एमबीबीएस विद्यार्थियों द्वारा गोद लिए गए परिवारों से भी बातचीत की। इस मौके पर 11 सदस्यीय मेडिकल एजूकेशन यूनिट का भी गठन किया गया और डा. बिन्दू गर्ग को इसके कोआर्डिनेटर की जिम्मेदारी दी गई।

रीजनल सेंटर के उद्घाटन के बाद मेडिकल कालेज के आडिटोरियम में मुख्य अतिथि डा.अरुणा वी. वानिकर ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अपनी भाषा और अपना देश की नीति अपनाने से आज चीन दुनिया की विश्व शक्ति बना हुआ है। लेकिन हमने अपनी भाषा और संस्कृति को नहीं अपनाया। वेस्ट (पश्चिम) में सब बेस्ट (श्रेष्ठ) है मानने की आदत के चलते ही हमारी ही चीज जब पश्चिम से वापस आई तब हमने उसे स्वीकारा। हमें मानना होगा कि वेस्ट में सब बेस्ट नहीं है। लेकिन हम इसके लिए तैयार नहीं। हम आज तक कांप्लेक्स में जी रहे हैं। इसी कांप्लेक्स को दूर करने के लिए नई शिक्षा नीति लागू की गई है। जिसमें अपनी भाषा और संस्कृति को वरीयता दी जा रही है। नेशनल मेडिकल कमीशन ने भी इसे अपनाया है। हमारी पूरी कोशिश है कि हम अगले वर्ष से अपने विद्यार्थियों को मेडिकल शिक्षा उनकी मातृभाषा में देना आरंभ कर दें। इसके लिए हमने पूरी तैयारी कर ली है। इससे सभी का फायदा होगा और आगे बढ़ने के लिए यह जरूरी है।

समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित अंडर ग्रेजुएट मेडिकल एजूकेशन बोर्ड के सदस्य डा.विजयेंद्र कुमार ने कहा

मेडिकल एजुकेशन यूनिट

डा.बिन्दू गर्ग (कोआर्डिनेटर)
डा.श्याम बिहारी गुप्ता
डा.एनके अरोरा
डा.पियूष कुमार अग्रवाल
डा.जसबिंदर सिंह
डा.धीरज कुमार,
डा.संध्या चौहान
डा.कौस्तव कुमार
डा.निपुन अग्रवाल
डा.फौजिया खान
डा.राहुल गोयल

बरेली: श्री राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (एसआरएमएस आईएमएस) में 30 जून 22 को नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) का रीजनल सेंटर स्थापित किया गया। मेडिकल एजूकेशन टेक्नोलाजी के लिए एनएमसी ने इस वर्ष उ.प्र. में सिर्फ दो रीजनल सेंटर बनाए हैं। इसमें वर्ष 1911 से मेडिकल शिक्षा देने वाले लखनऊ स्थित केजीएमयू और वर्ष 2005 से मेडिकल शिक्षा देने वाले एसआरएमएस इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज को चुना है। एनएमसी के अंडर ग्रेजुएट मेडिकल एजूकेशन बोर्ड की प्रेसिडेंट डा.अरुणा वी. वानिकर और अंडर ग्रेजुएट मेडिकल एजूकेशन बोर्ड के सदस्य डा.विजयेंद्र कुमार ने इसका उद्घाटन किया। उन्होंने मेडिकल के विद्यार्थियों से भी बात की, कालेज और हास्पिटल का भी दौरा किया। उन्होंने गांव प्रह्लादपुर जाकर एमबीबीएस विद्यार्थियों द्वारा गोद लिए गए परिवारों से भी बातचीत की। इस मौके पर 11 सदस्यीय मेडिकल एजूकेशन यूनिट का भी गठन किया गया और डा.बिन्दू गर्ग को इसके कोआर्डिनेटर की जिम्मेदारी दी गई।

स्मृति चिह्न

रीजनल सेंटर के उद्घाटन के बाद मेडिकल कालेज के आडिटोरियम में मुख्य अतिथि डा.अरुणा वी. वानिकर ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अपनी भाषा और अपना देश की नीति अपनाने से आज चीन दुनिया की विश्व शक्ति बना हुआ है। लेकिन हमने अपनी भाषा और संस्कृति को नहीं अपनाया। वेस्ट (पश्चिम) में सब बेस्ट (श्रेष्ठ) है मानने की आदत के चलते ही हमारी ही चीज जब पश्चिम से वापस आई तब हमने उसे स्वीकारा। हमें मानना होगा कि वेस्ट में सब बेस्ट नहीं है। लेकिन हम इसके लिए तैयार नहीं। हम आज तक कांप्लेक्स में जी रहे हैं। इसी कांप्लेक्स को दूर करने के लिए नई शिक्षा नीति लागू की गई है। जिसमें अपनी भाषा और संस्कृति को वरीयता दी जा रही है। नेशनल मेडिकल कमीशन ने भी इसे अपनाया है। हमारी पूरी कोशिश है कि हम अगले वर्ष से अपने विद्यार्थियों को मेडिकल शिक्षा उनकी मातृभाषा में देना आरंभ कर दें। इसके लिए हमने पूरी तैयारी कर ली है। इससे सभी का फायदा होगा और आगे बढ़ने के लिए यह जरूरी है।

स्वागत...

समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित अंडर ग्रेजुएट मेडिकल एजूकेशन बोर्ड के सदस्य डा.विजयेंद्र कुमार ने कहा कि एनएमसी के पास मेडिकल एजूकेशन टेक्नोलाजी के लिए रीजनल सेंटर बनाने के लिए 94 आवेदन आए थे। स्क्रीनिंग में 24 सही पाए गए। स्क्रूटनिंग में 10 और कम हुए। अंतिम में बचे 14 संस्थानों में से दस को एनएमसी ने मेडिकल एजूकेशन टेक्नोलाजी का रीजनल सेंटर बनाया। उ.प्र. में सिर्फ दो मेडिकल संस्थानों को इसके लिए चुना गया। जो केजीएमयू और एसआरएमएस मेडिकल कालेज हैं। ऐसे में हम यहां आप लोगों को बधाई देने के लिए आए हैं। डा.विजयेंद्र ने विष्णु पुराण के श्लोक ''तत्कर्म यन्न बन्धाय सा विद्या या विमुक्तये। आयासायापरं कर्म विद्यऽन्या शिल्पनैपुणम्।।'' का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इसके अनुसार कर्म वह है जो बंधन में डाले और विद्या वह है जो मुक्त कर दे। अंग्रेजों के गुलाम बनने से पहले हमारी शिक्षा का उद्देश्य यही था। हम सौ फीसद साक्षर थे। हमारा शिल्प और कृषि उन्नत थी। आर्थिक रूप से समृद्ध थे। लेकिन लार्ड मैकाले ने 1835 में इंग्लिश एजूकेशन एक्ट लागू कर शिक्षा को बर्बाद कर दिया। शिल्पकारों के साथ खेती पर टैक्स लगाया गया। इसका नतीजा शिल्पकारी खत्म होने और नतीजा अकालों के रूप में देश के सामने आया। हम गरीब होते चले गए। आजादी के

निरीक्षण

रिद्धिमा के मंच पर एक साथ मिला गुरुओं संग शिष्यों को मौका

एक मंच पर गीत, संगीत, डांस, ड्रामा

जुगलबंदी

- संगीतमयी संध्या 'बंदिश 3' का सफल आयोजन
- 'जुगलबंदी' में साथ आए रिद्धिमा के गुरु- शिष्य
- 'कोर्ट मार्शल' में जातिवादी मानसिकता पर कटाक्ष
- धर्मवीर भारती की कृति 'आवाज' का हुआ मंचन
- लेखक गिरीश कर्नाड के नाटक 'पुष्प' का मंचन
- पांचवीं राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित
- ''कौओं की पाठशाला'' से सही संगत का संदेश
- ''मेघ मल्हार'' में गुरुओं के स्वर पर झूमे छात्र
- ईश्वर भक्ति को समर्पित ''शाम ए सूफियाना''
- सजा दिलाने की जिद्दोजहद ''आधी रात के बाद''

बरेली: जून और जुलाई माह में एसआरएमएस रिद्धिमा के मंच पर नाटकप्रेमियों के साथ ही संगीत प्रेमियों को भी सुकून की फुहार का अहसास हुआ। जून माह में कोर्ट मार्शल, आवाज और पुष्प जैसे नाटकों के मंचन के साथ दो संगीतमय संध्या में गुरुओं के साथ ही शिष्यों को भी अपनी कला दिखाने का अवसर प्राप्त हुआ। पांच जून को स्वदेश दीपक लिखित नाटक 'कोर्ट मार्शल' का मंचन हुआ। जातिवाद मानसिकता पर प्रहार करने वाले इस नाटक को देहरादून के एकलव्य थिएटर ग्रुप ने प्रस्तुत किया। 9 जून को बैंडिश 3 के रूप में संगीतमय संध्या आयोजित हुई। इसमें गायन गुरुओं ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। श्रोताओं इंडियन और वेस्टर्न म्यूजिक की जुगलबंदी को भी खूब पसंद किया। इसमें शिव शंभू कपूर, उमेश मिश्रा, कुंवर पाल, डा. पवन राज चौधरी, सूर्यकांत चौधरी, जनार्दन भारद्वाज, जोशुआ, आशीष सिंह और रश्वनी ने कार्यक्रम में चार चांद लगाए। 19 जून को धर्मवीर भारती की प्रसिद्ध कृति 'आवाज' का मंचन हुआ। अल्ताफ हुसैन निर्देशित इस नाटक की कहानी में अखबार आवाज के संपादक को दिखाया गया। वह जनता की आवाज बनते बनते अपने अखबार की नीलामी पर मजबूर हो जाता है। परिस्थितियां खराब होती हैं और अखबार आवाज की नीलामी के बाद वह मानसिक संतुलन खो देता है। 23 जून को 'जुगलबंदी' कार्यक्रम में रिद्धिमा के गुरुओं और शिष्यों ने अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित किया। दर्शकों ने तालियां बजा कर होनहार शिष्यों की हौसलाअफजाही की। कार्यक्रम को कुंवर पाल ने सितार, शिव शंभू कपूर ने तबले, सावन कुमार केवट ने दारबूका, जोशुआ बेले ने ड्रम, उमेश मिश्रा ने हारमोनियम, जनार्दन भारद्वाज ने कीबोर्ड, सूर्यकांत चौधरी ने वायलिन से संगीतबद्ध किया। लेखक गिरीश कर्नाड लिखित नाटक पुष्प का मंचन 26 जून को हुआ। इसकी परिकल्पना और निर्देशन शैलेंद्र शर्मा ने किया। उन्होंने ही इस एकल नाटक में मुख्य किरदार की भूमिका निभाई। नाटक का मुख्य पात्र शिवभक्त पुजारी है। जिसे नगर की गणिका से प्रेम हो जाता है। जो उसके पारिवारिक संबंधों में बाधा डालने के साथ ही भक्ति में भी आड़े आता है। जुलाई माह में रिद्धिमा में पांचवीं राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। 7-8 जुलाई को आयोजित इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में शामिल विद्यार्थियों ने बेहतरीन पेंटिंग बनाई। सात जुलाई को संगत के प्रभाव को दर्शाता नाटक ''कौओं की पाठशाला'' का मंचन हुआ। 14 जुलाई को रिद्धिमा में ''मेघ मल्हार'' का आयोजन हुआ। इसमें गुरुओं के स्वरों पर विद्यार्थियों के कदम थिरके। रिद्धिमा के गुरुओं ने ईश्वर भक्ति को समर्पित एक से बढ़कर एक कलाम पेश कर 24 जुलाई की शाम को ''शाम ए सूफियाना'' में बदल दिया। 31 जुलाई को लेखक शंकर शेष के नाटक ''आधी रात के बाद'' का मंचन हुआ। इसमें अपराधियों को उनके जुल्म की सजा दिलाने की जिद्दोजहद नजर आई। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी, आशा मूर्ति जी, आदित्य मूर्ति जी, ऋचा मूर्ति जी, डा. रीता शर्मा, ट्रस्ट के एडवाइजर इंजीनयिर सुभाष मेहरा, गुरु मेहरोत्रा, सुरेश सुंदरानी, डा.अनुराग मोहन, डा. एसबी गुप्ता, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. अनुज कुमार, आशीष कुमार, डा.रीता शर्मा और शहर के संभ्रांत लोग मौजूद रहे।

'कोर्ट मार्शल' ने उठाया भेदभाव का मुद्दा

एक वरिष्ठ अफसर की हत्या और दूसरे को घायल करने के आरोप में एक जवान पर कोर्ट मार्शन की कार्यवाई को दिखाते इस नाटक में भेदभाव, छुआछूत को उठाने के साथ ही मानवता के पहलुओं को भी प्रदर्शित किया गया। नाटक में सस्पेंस रहता है कि क्या कर्नल सूरत सिंह रामचन्द्र के इकबाल-ए-जुर्म को मानकर उसे मौत की सजा सुनाएंगे या फिर उन कारणों को तलाशने की कोशिश करेंगे, जिन्होंने जवान रामचन्द्र को हथियार उठाने पर विवश किया। कोर्ट मार्शल की कार्यवाही के दौरान पता चलता है कि जिस अफसर कर्नल कपूर को रामचन्द्र ने हमला कर घायल किया था वह नीची जाति का होने से रामकुमार से नफरत करता था। कर्नल सूरत सिंह कोर्ट की कार्यवाही के बाद फैसला सुनाएं उससे एक दिन पहले कर्नल कपूर स्वयं को गोली मार लेते हैं। नाटक का निर्देशन अखिलेश नारायण ने किया।

इंडियन वेस्टर्न म्यूजिक की जुगलबंदी

'बंदिश 3' की शुरुआत संयुक्त वाद्ययंत्रों की जुगलबंदी से हुई, जिसमें रिद्धिमा गुरुओं ने भारतीय शास्त्रीय संगीत और वेस्टर्न म्यूजिक के फ्यूजन से शाम को सुरमई बना दिया। इसके बाद गायन गुरु स्नेहाशीष, शिवांगी मिश्रा और आयुषी ने बैंडिश की थीम के साथ ही फिल्मी गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। गायिका डा. रीता शर्मा ने लग जा गले गीत प्रस्तुत कर श्रोताओं की तालियां बटोरीं। शिवांगी ने 90 के दशक की सुपरहिट फिल्म मिस्टर इंडिया के गीत हवा हवाई को पेश किया। अगली संगीतमय प्रस्तुति इंदु परडल की रही, जिन्होंने 'दो लफ्जों की है दिल की कहानी' गीत को पेश किया। स्नेहाशीष और आयुषी मजूमदार ने शास्त्रीय और पश्चिमी संगीत का फ्यूजन प्रस्तुत किया जिसे श्रोताओं ने खूब सराहा। कार्यक्रम का समापन मेंडले से हुआ जिसमें सदाबहर गीतों को प्रस्तुत कर श्रोताओं की वाहवाही लूटी।

और खामोश हो गई जनता की 'आवाज'

समाचार पत्र आवाज का संपादक दिवाकर नाटक का मुख्य पात्र है। वह अपने अखबार के लिए सब कुछ कुर्बान कर देता है। उसका परिवार बिखर जाता है। पत्नी आत्महत्या की कोशिश करती है और अस्पताल में गंभीर स्थिति में पहुंच जाती है। इस पर भी दिवाकर अखबार को समय देता है। परिस्थितियां तेजी से बदलती हैं। पत्नी के इलाज के लिए उसे रुपयों की जरूरत होती है और वह इसके लिए अखबार की नीलामी करता है। पांच अखबारों का मालिक सेठ बाजोरिया उसे खरीद लेता है। इसी बीच दिवाकर की पत्नी दमतोड़ देती। दिवाकर पूरी तरह टूट जाता है और अपनी जिंदगी के संघर्ष को याद कर अपना मानसिक मानसिक संतुलन खो बैठता है. नाटक में दिवाकर के किरदार को अल्ताफ हुसैन और बाजोरिया के किरदार को हर्षित कुमार बखूभी निभाया।

श्रद्धा और प्रेम दोनों का गवाह 'पुष्प'

शिवभक्त पुजारी को एक गणिका चंद्रावती से प्रेम हो जाता है। वह प्रतिदिन संध्या पूजन के बाद श्रंगार में प्रयोग पुष्प प्रसाद के रूप में लेकर गणिका के घर जाने लगता है। एक बार संध्या पूजन के बाद गणिका के घर पहुंचे पुजारी को फिर से मंदिर में श्रंगार पूजन करना पड़ता है। मजबूरी में वह गणिका के इस्तेमाल किए पुष्पों से भगवान का श्रंगार करता है। नगर प्रमुख पुष्प पर महिला का बाल देख कर नाराजगी जताते हैं। पुजारी बाल को शिवलिंग का बाल बताता है। उसे अपनी बात साबित करने की चुनौती दी जाती है। कुछ दिन बाद उसकी बात का परीक्षण होता है। लोगों को शिवलिंग पर बाल दिखते हैं। पंडित की जय जयकार होती है। पुजारी पुष्प समेट कर गणिका के पास जाने को तैयार होता है तभी उसकी पत्नी बताती है कि गणिका नगर छोड़ कर जा चुकी है।

रिद्धिमा में भरतनाट्यम और कथक की 'जुगलबंदी'

23 जून को गुरु और उनके शिष्यों ने भरतनाट्यम और कथक की जुगलबंदी की। आयुषि मजूमदार और स्नेह आशीष दुबे ने सरस्वती वंदना को स्वर दिए तो विद्यार्थियों ने भरतनाट्यम और कथक के जरिये मां सरस्वती को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। गुरुओं के साथ शिष्यों ने कथक और भरतनाट्यम से जुगलबंदी की। गुरु रियाश्री चटजह्न ने गीत मैं तो पिया से नैना लगाई रे को कथक से प्रस्तुत किया। गुरु अंबाली प्रहराज ने पत्तों का है जिस्म भीग जाने दो को भरतनाट्यम से प्रस्तुत कर बारिश से साक्षात्कार कराया और सजनी सजनी राधिकालो गीत को भरतनाट्यम से मंचित किया। आयुषि मजूमदार ने गीत झुमका बरेली वाला को स्वरर दिये जिस पर रियाश्री ने कथक से भावाव्यक्ति की। कथक गुरु देवज्योति नक्सर ने अंबाली और रियाश्री के साथ भरतनाट्यम और कथक की जुगलबंदी से तालियां बटोरीं।

''शाम ए सूफियाना'' में फनकारों के कलाम

रिद्धिमा में 24 जुलाई की शाम ''शाम ए सूफियाना'' के नाम रही। रिद्धिमा के गुरुओं और फनकारों ने इस शाम एक से बढ़कर एक कलाम पेश किए। इसका आगाज गायिका वंदना खन्ना ने ''गूंजा सा है एकतारा'' से किया। स्नेह आशीष दुबे ने ''मौला मौला'' और आयुषि मजूमदार ने ''छाप तिलक सब छीनी रे'' को अपनी आवाज दी। शिवांगी मिश्रा ने ''यार तेरी पूजा करूंगा'', मंजू सिंह ने ''जहां में नूर बिखरा है'', डा.रीता शर्मा ने ''गम ए हस्ती ने हमें'' को स्वर दिए। इंदू परडल ने ''ये जो हल्का हल्का'' गाकर श्रोताओं की तालियां बटोरीं। शिवांगी और आयुषि ने ''पिया रे पिया रे'' को अपने स्वर दिए। साथ ही दोनों ने स्नेह आशीष दुबे के साथ भी ''नित खैर मंगा'' गाकर महफिल को अंजाम तक पहुंचाया।

सुबूतों के साथ गवाह ''आधी रात के बाद''

रिद्धिमा में 31 जुलाई को लेखक शंकर शेष के नाटक ''आधी रात के बाद'' का मंचन हुआ। शैलेंद्र शर्मा द्वारा निर्देशित नाटक का आरंभ एक चोर से होता है, जो एक जज के घर में घुसा है। लेकिन उसका मकसद चोरी के बजाय खुद को पुलिस से गिरफ्तार करवाना है। वह जज बताता है कि मुंबई की चाल में आग लगने और वहां पत्रकार की हत्या का वह चश्मदीद गवाह है। इस घटना में रसूखदार और बिल्डरों का हाथ है। वह कहता है कि रसूखदार उसे मरवा भी सकते हैं। ऐसे में वह कोर्ट में आकर बयान नहीं देना चाहता। नाटक में जज की भूमिका नाटक की मंच परिकल्पना करने वाले शैलेंद्र शर्मा ने निभाई. जबकि चोर का रोल राजू चौहान और पत्रकार का रोल वंश अरोरा ने निभाया।

कौआ बन कर ही कर सकते हैं कौओं की संगत

सात जुलाई को रिद्धिमा में नाटक ''कौओं की पाठशाला'' का मंचन हुआ। जैसी संगत वैसी रंगत का संदेश देता हुआ इस नाटक के पात्र बताते हैं कि आप जिन लोगों के बीच रहते हैं वैसे ही बन जाते हैं। इसमें मुख्य पात्र मंगेश अपनी पत्नी शांता और भाई बिश्वनाथ के साथ मुंबई में रहता है। उसका दोस्त बालू सीए की परीक्षा देने के लिए 15 दिन के लिए उसके पास आता है। लेकिन मंगेश के यहां बार बार कोई न कोई पडोसी आकर उसे पढ़ने में व्यवधान डालते हैं। मंगेश और उसकी पत्नी शांता पड़ोसियों से शोर न करने का अनुरोध करते हैं लेकिन ऐसा हो नहीं पाता। बालू वहां से जाने लगता है लेकिन पड़ोसी उसे जाने नहीं देते। बालू भी उन्हीं की तरह बन जाता है।

बारिश बुलाने को रिद्धिमा में ''मेघ मल्हार''

14 जुलाई को रिद्धिमा में ''मेघ मल्हार'' की महफिल सजी। शिवांगी मिश्रा और आयुषि मजूमदार ने सरस्वती वंदना गाकर इसका आरंभ किया। विद्यार्थियों ने कथक से मां सरस्वती की आराधना की। राजश्री चटर्जी ने शिवांगी मिश्रा के स्वरों से सजे सजे गाने ''इठलाती बलखाती चमकत है दमनिया'' को कथक से प्रदर्शित किया। भरतनाट्यम गुरु अंबाली प्रहराज ने शिष्यों के साथ ''गरजे गरज'' पर नृत्य किया। भजन ''बरसे बदरिया सावन की'' को भी शिवांगी ने आवाज दी। देवाज्योति नस्कर ने कथक से भाव दिए। विद्यार्थियों ने "बरखा ;तु आई" पर कथक नृत्य किया। अंबाली ने ''बिजुरिया चमके बरसे मेघा'' माहौल को बरसात में बदला। आयुषि मजूमदार ने ''गजरे गजरे आयो कारे बदरा'' को गाकर श्रोताओं पर बारिश की। इस पर देवाज्योति नक्सर और रियाश्री चटजह्न ने कथक से भाव प्रदर्शित किए।

पाँचवी राष्ट्रीय चित्रकला में पुष्टि, विधि और लजीन की पेंटिंग को पुरस्कार

रिद्धिमा में 7-8 जुलाई को पांचवीं राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें 15 स्कूलों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इसमें बरेली कालेज की विद्याथह्न पुष्टि कपूर ने पहला स्थान हासिल किया। दूसरा स्थान जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल की छात्रा विधि राजगढ़िया को मिला। कृष्णा पब्लिक स्कूल के लजीन रिजवी ने तीसरा स्थान हासिल किया। सभी विजेताओं को ट्राफी के साथ सर्टिफिकेट एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति जी ने प्रदान किए। उन्होंने प्रतिभागियों को भी सर्टिफिकेट दिए साथ ही सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

एसआरएमएस में इलाज से डायबिटीज पीड़ित महिला ने दिया स्वस्थ बच्चे को जन्म

गर्भावस्था में डायबिटीज, मां और बच्चों पर जोखिम

मरीज सूरजमुखी के साथ डॉ. श्रुति शर्मा

- बहेड़ी निवासी 30 वर्षीय महिला सूरजमुखी को दस वर्ष से थी डायबिटीज
- गर्भ में ही दो बच्चों की मृत्यु, जन्म के तीसरे दिन हुआ एक का निधन
- दिव्यांग ही पैदा हुआ चौथा बच्चा, ढाई वर्ष की उम्र में हुई अकाल मौत

कितना हो ब्लड में शुगर

खाली पेट 80 -130 मिग्रा./डीएल
भोजन के दो घंटे बाद 180 से कम

बरेली: सभी जानते हैं कि डायबिटीज जीवन शैली से जुड़ी बीमारी है और यह हार्ट, किडनी, आंखों पर सीधा असर डालती है। यह गर्भावस्था पर कितना कुप्रभाव डालती है, कम ही लोगों को पता होगा। यह जानना चाहते हैं तो बहेड़ी के गांव मड़िया उदा निवासी 30 वर्षीय सूरजमुखी से मिलना पड़ेगा। सूरजमुखी को करीब दस वर्ष से डायबिटीज है। इसकी जानकारी उन्हें तीन बच्चों के जन्म और उनकी अकाल मृत्यु तक भी नहीं हुई। जानकारी के अभाव में ही पहली बच्ची का निधन जन्म के तीन दिन बाद हो गया। दूसरी बच्ची और तीसरे बच्चे ने संसार में आने से पहले गर्भ में ही विदाई ले ली। चौथे बच्चे के जन्म के समय डाक्टरों ने सूरजमुखी को डायबिटीज से पीड़ित होने की जानकारी दी। रुद्रपुर में इसका इलाज हुआ, फिर भी दिव्यांग और कमजोर बच्चे का जन्म हुआ। उसे ढाई वर्ष का जीवन मिला। आसपास और परिवार वाले इसके लिए सूरजमुखी को ही जिम्मेदार ठहराने लगे। लेकिन मजदूरी करने वाले पति दीनानाथ ने उसका साथ दिया। दोनों ने बच्चे की उम्मीद नहीं छोड़ी और डायबिटीज के इलाज के लिए एसआरएमएस मेडिकल कालेज पहुंचे।

एंडोक्राइनोलाजिस्ट डा.श्रुति शर्मा ने सूरजमुखी का जब इलाज शुरू किया तब उनकी शुगर 500 थी। उचित खानपान और जीवन शैली व्यवस्थित कर सूरजमुखी ने डा.श्रुति की सलाह मानी और पिछले वर्ष फिर गर्भधारण किया। गर्भावस्था में उनका ट्रीटमेंट गायनोकोलाजिस्ट डा. शुभांगी गुप्ता ने किया। सफल उपचार और नियमित जीवनशैली अपनाने से पिछले महीने (22 जून 22) को सूरजमुखी ने स्वस्थ बच्चे शिवम को जन्म दिया। दोनों स्वस्थ हैं।

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में डीएम एंडोक्राइनोलाजी डा.श्रुति शर्मा कहती हैं कि दुनिया भर में तेजी से डायबिटीज बढ़ रही है। अब हर घर में डायबिटीज का मरीज मौजूद है। आज 00 से 40 वर्ष के लोग भी डायबिटीज की चपेट में आ रहे हैं। प्रेग्नेंसी में भी डायबिटीज की आशंका बढ़ जाती है। इलाज न होने पर गर्भपात के साथ अपंग बच्चों के जन्म की आशंका बढ़ती है। गर्भावस्था में इंसुलिन ही डायबिटीज का एकमात्र इलाज है।

सूरजमुखी के इलाज में भी उचित मात्रा में इंसुलिन का इस्तेमाल किया गया। परिणाम आपके सामने है। डा.श्रुति कहती हैं कि डायबिटीज का इलाज सिर्फ दवा नहीं है। यह लाइफस्टाइल और खानपान से जुड़ा रोग है। अनियमित जीवनशैली और असंतुलित खानपान युवाओं और बच्चों को भविष्य का डायबिटीज का मरीज बनाने में लगा है। ऐसे में बच्चों और युवाओं को आज और अभी से ही सावधान होने की जरूरत है। खानपान की आदतों और जीवन शैली को संतुलित रखना बेहद आवश्यक है। यह दोनों बदलकर ही डायबिटीज पर कंट्रोल किया जा सकता है। सक्रिय जीवन शैली डायबिटीज से बचाने में अहम भूमिका निभाती है।

कैसे करें डायबिटीज की पहचान

अगर आप हर समय थकान महसूस करते हैं।
आपको बार-बार पेशाब करने जाना पड़ता है।
प्यास ज्यादा लगती है। सिरदर्द बना रहता है।
मौसम बदलने पर ज्यादातर बीमार होना।
मां-बाप में डायबिटीज की पारिवारिक हिस्ट्री।

ऐसे करें डायबिटीज से बचाव

डाक्टर के निर्देश पर दवाइयों का नियमित सेवन करें
खाने में मीठे का पूरी तरह परहेज करें या बेहद कम सेवन करें
आहार में कम संतृप्त वसा वाले खाद्य पदार्थ शामिल करें
आलू, चावल जैसे कार्बोहाइड्रेट वाला भोजन करने से बचें
भोजन में सब्जियां, ताजे फलों को शामिल करें
फाइबर और प्रोटीन की मात्रा भोजन में ज्यादा होनी जरूरी
एक्सरसाइज के साथ सुबह-शाम तेजी से टहलें
विटामिन डी की कमी डायबिटीज में खतरनाक

ट्रस्ट के शैक्षिक संस्थानों में हुआ योगासन

बरेली: एसआरएमएस ट्रस्ट के शैक्षिक संस्थानों में भी 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। सभी स्थानों पर करीब एक घंटा विद्यार्थियों ने योगासन कर स्वस्थ रहने का संदेश दिया। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी और सचिव आदित्य मूर्ति जी ने सभी को योग दिवस की बधाई दी और स्वस्थ रहने के लिए इसे अपनी दिनचर्या में शामिल होने का आह्वान किया। एसआरएमएस मेडिकल कालेज में दो स्थानों इनडोर हाल और मेला ग्राउंड में सुबह पांच बजे योग दिवस पर कार्यक्रम आरंभ हुआ। यहां जिम इंस्ट्रक्टर लीकेश शर्मा और हास्टल सुपरिंटेंडेंट ऋषिका सेठ ने विद्यार्थियों ने योग के विभिन्न आसन कराए। कार्यक्रम का संचालन नितिन सक्सेना ने किया। इस मौके पर अजीत सक्सेना और अन्य लोग मौजूद रहे। एसआरएमएस सीईटी स्थित क्रिकेट स्टेडियम में सुबह 5.30 बजे योग दिवस कार्यक्रम आरंभ हुआ। यहां संचालन अनुज शर्मा ने किया और शंकरपाल ने विद्यार्थियों को योग के विभिन्न आसन कराए। यहां विद्यार्थियों के साथ इंजीनियर सोवन मोहंती, नीता यादव, अरविंद मिश्रा, अख्तर खान, अमित सक्सेना, संजय सिंह, मोहित यादव, विनय कुमार श्रीवास्तव ने भी योगासन किया। सीईटीआर में योग दिवस कार्यक्रम पौने छह बजे आरंभ हुआ। यहां कार्यक्रम का संचलन तुषार गुप्ता ने किया और योगासन रेनू बोरा ने कराया। विद्यार्थियों के साथ प्रिंसिपल डा.एलएस मौर्या, रुचि शाह, अंकित खंडेलवाल, मनमोहन सिंह चौहान, विनीत शर्मा, महेंद्र सिंह राणा ने विद्यार्थियों संग योगासन किया।

सीईटीआर बरेली में हेक्सनविट एडटेक के साथ एमओयू साइन

बरेली: एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग टेक्नालाजी एंड रिसर्च एवं नोएडा स्थित कंपनी हेक्सनविट एडटेक प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। कालेज के प्राचार्य डा.एलएस मौर्य और कंपनी के निदेशक अभिषेक गुप्ता ने दो जुलाई को इस पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू के अनुसार हेक्सनविट एडटेक की ओर से कालेज में स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम, प्रोजेक्ट बेस्ड ट्रेनिंग, इटर्नशिप के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। फैकल्टी के लिए भी फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम होंगे। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के सचिव आदित्य मूर्ति जी ने छात्रों को संबोधित किया और कम्पनी द्वारा दिए जाने वाले अवसरों का अधिक से अधिक लाभ उठाने की आवश्यकता पर बल दिया। समारोह में ट्रस्ट सलाहकार इंजीनियर सुभाष मेहरा, इंजीनियर मानवी मिश्रा, इंजीनियर के.के. अग्रवाल, इंजीनियर अरूण कुमार साहू एवं रूचि शाह और ई. नेहा शर्मा उपस्थित रहे।

कैंपस प्लेसमेंट आयोजित

बरेली: एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालाजी बरेली में इन्टीट्यूटिव डाट काम एवं इन्फार्मेशन टेक्नालाजी ने कैंपस का आयोजन किया गया। इस प्लेसमेंट ड्राइव में बीटेक कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इसमें ट्रेनिंग डेवलपमेंट एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक डा.अनुज कुमार ने इन्टीट्यूटिव डाट काम एवं इन्फार्मेशन टेक्नालाजी के प्रतिनिधियों का स्वागत किया। इन्टीट्यूटिव डाट काम की ओर से विद्यार्थियों को कंपनी के बारे में प्रेजेंटेशन दिया गया और उनके प्रश्नों के जवाब दिए गए। प्लेसमेंट के दौरान विद्यार्थियों का ग्रुप डिस्कशन हुआ, जिसमें 31 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इसमें से 28 विद्यार्थी तकनीकी साक्षात्कार के लिए उत्तीर्ण घोषित किए गए। इन सभी को पर्सनल इंटरव्यू का मौका मिला। इस मौके पर डीन एकेडेमिक्स डा.प्रभाकर गुप्ता, निर्मल जोशी, मनीषा खंडेलवाल, नेहा सक्सेना मौजूद रहे।

नर्सिंग और पैरामेडिकल में वर्ल्ड ब्लड डोनर डे मनाया

बरेली: उन्नाव स्थित नर्सिंग और पैरामेडिकल कालेज में 14 जून को वर्ल्ड ब्लड डोनर डे मनाया गया। निदेशक श्री श्यामल गुप्ता जी ने आयोजन की समुचित व्यवस्था एवं संचालन के लिए सभी को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का आरंभ एक थीम आधारित चार्ट पेपर प्रस्तुति के साथ हुआ, जिसे संकाय सदस्यों डॉली श्रीवास्तव, अंकिता पाल और पूजा यादव, शिल्पी जायसवाल, प्रियंका और नर्सिंग छात्रों द्वारा निर्देशित किया गया।

सीईटी बरेली में व्याख्यान का आयोजन

बरेली: एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालाजी बरेली के ट्रेनिंग डेवलपमेंट एंड प्लेसमेंट विभाग में पूर्व छात्र अतिथि श्रंखला के तहत 27 जून को मोटिवेशनल लैक्चर हुआ। वालमार्ट लैब के प्रिंसिपल इंजीनियर अभिषेक गुप्ता ने साफ्टवेयर इंडस्ट्री के वर्तमान ट्रेंड पर अपने विचार रखे और विद्यार्थियों के सवालों का जवाब दिया। इससे पहले ट्रेनिंग डेवलवमेंट एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक डा. अनुज कुमार ने उनका स्वागत किया और उनके बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी। इस मौके पर डीन एकेडेमिक्स डा.प्रभाकर गुप्ता, निर्मल जोशी, मनीषा खण्डेलवाल और नेहा सक्सेना उपस्थित रहे।

सीईटीआर बरेली में आनलाइन गैस्ट लैक्चर

बरेली: एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग टेक्नालाजी एंड रिसर्च में 11 जून को कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की ओर से आईटी इंडस्ट्री टाइप्स, रोल्स एंड एक्सपेक्टेशन विषय पर आनलाइन लैक्चर हुआ। कालेज के प्राचार्य डा.एलएस मौर्य ने विशेष अतिथि एवं मुख्य वक्ता माइक्रोसाफ्ट के सीनियर मैनेजर इंजीनियर राजीव गोयला का स्वागत किया। गोला ने आईटी इंडस्ट्री से संबंधित जाब प्रोफाइल्स और उनकी कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को उनकी एक्सपेक्टेशन के बारे में विस्तार से बताया। इस मौके पर डा.ज्योर्तिमय पटेल, इंजीनियर कृष्ण कुमार अग्रवाल मौजूद रहे।

आईएपी-सीपीआर दिवस पर दी विद्यार्थियों को संजीवनी क्रिया की जानकारी

बरेली: इंडियन अकादमी आफ पीडियाट्रिक्स द्वारा मान्यता प्राप्त एसआरएमएस मेडिकल कालेज के सीआरपी सेंटर और बाल रोग विभाग ने स्किल लैब और कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के सहयोग से गांव धौरा स्थित स्थित साहू ठाकुर दास इंटर कालेज में 22 जुलाई को आईएपी सीपीआर दिवस मनाया। डाक्टरों की टीम ने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देने के साथ संजीवनी क्रिया की भी जानकारी दी। बाल रोग विशेषज्ञ और स्किल लैब की समन्वयक डा संध्या चौहान ने बताया कि अस्पताल में कार्य करने वाले स्वास्थ्यकर्मियों से लेकर आम लोगों को भी हृदय गति रुकने की अवस्था में बेसिक लाइफ सपोर्ट की जानकारी जरूरी है। कार्डियक अरेस्ट जैसी किसी भी अवस्था में संजीवनी क्रिया की मदद से ऐसे व्यक्ति को आपातकालीन स्थिति में लाइफ सपोर्ट दिया जा सकता है। इसका उद्घाटन मेडिकल कालेज के निदेशक आदित्य मूर्ति ने किया। संस्थान के प्राचार्य डा. एसबी गुप्ता, चिकित्सा अधीक्षक डा. आरपी सिंह, बाल रोग विभाग के अध्यक्ष डा. पीएल प्रसाद ने विद्यार्थियों से अपने अनुभव बांटें। इस मौके पर कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के डा. धर्मेंद्र गुप्ता के नेतृत्व में जूनियर डश्वक्टर्स ने करीब तीन सौ विद्यार्थियों को संजीवनी क्रिया के महत्व समझाया और व्यक्तिगत प्रशिक्षण भी दिया।

श्री राममूर्ति स्मारक ट्रस्ट द्वारा आयोजित कहानी प्रतियोगिता 2004 में सांत्वना पुरस्कार प्राप्त कहानी

आत्म मंथन

लेखक- उमा भटनागर, पता- सन्तनगर, बरेली

मानसी एकाएक घबरा कर उठ बैठी। उसका दिल बड़ी तेजी से धड़क रहा था। कड़कड़ाती ठण्ड में भी वह पसीने से पूरी तरह भीग गई थी। उसे करीब ढाई-तीन वर्षों बाद आज फिर उसे यह सपना आया था। कितना भयावह था वह स्वप्न। मानव सड़क पर घायल पड़ा कराह रहा था। उसके सिर से खून की धार बह रही थी। वह मानव की तरफ दौड़ी। उसके पास पहुंचने ही वाली थी कि आँख खुल गई। उसने मानव की तस्वीर की ओर देखा। उसका मुस्कुराता चेहरा और बोलती आँखें देखकर मानसी रो पड़ी। कितना प्यार करती थी वह मानव से। पर उस हादसे ने मानव को उससे छीन लिया। एक जीते-जागते, हँसते-खेलते, जिन्दादिल इंसान को एक तस्वीर बना दिया। अब तो मानव की यादें और तस्वीरों के रूप में कुछ अनमोल पल ही शेष रह गए हैं। मानव की मौत के बाद उसे ये सपना दिन-रात परेशान करता था। वह अनगिनत रातें सोई नहीं, इस डर से कि नींद आई तो फिर वही सपना आएगा। अलार्म की आवाज से उसकी तन्द्रा टूटी। उसने अपने आँसू पोंछे और मन ही मन मानव को नमन किया। माँ भी उठ गई। मानसी आज सारे काम जल्दी से निपटा कर समय से पहले ही स्टेशन के लिए निकल पड़ना। माँ ने बिस्तर छोड़ते हुए कहा। जी-जी माँ। माँ की बात सुनकर हड़बड़ाई और उसे याद आया कि आज तो नौकरी के सिलसिले में बँगलोर जाना है।

मानसी उठी और खिड़की खोलकर बाहर देखने लगी। आज वह अपनी जिंदगी की एक नई शुरूआत कर रही है। उसे इस नौकरी के रुप में आशा की एक किरण दिखाई दे रही थी। अब वह अपनी माँ का इलाज करा सकेगी। उसकी माँ को कुछ नहीं होगा। वह उन्हें हर सम्भव खुशी देगी। आज का सवेरा अनोखा था, नहीं ये परिवर्तन उसके दृष्टिकोण में है, जो उसे प्रकृति में परिलक्षित हो रहा है। तभी मानसी ने सड़क पर दो बच्चों को जाते देखा। लड़का लगभग दस साल का और उसका हाथ पकड़े लड़की सात-आठ वर्ष की होगी। शायद भाई-बहन थे। स्कूल जा रहे थे। कितने प्यारे लग रहे थे दोनों एक साथ। वह भी अपने भाई का हाथ पकड़कर यों ही स्कूल जाती थी। उसने जैसे उन बच्चों की जगह मानव एवं स्वयं को देखा। उसे फिर मानव की याद आने लगी। माँ के साथ वह भी हाथ जोड़कर भगवान के सामने खड़ी हो गई। उसने सोचा काश मानव लौट आए। वह मानव के गले लगकर रोती और बताती कि वह उसे बहुत याद करती थी। किन्तु वह वास्तविकता से भाग नहीं सकती। वह अनमानी सी कपड़े लेकर बाथरूम की ओर चली गई। मानसी ने महसूस किया कि उसके हाथ किसी यन्त्र की तरह से काम कर रहे थे और वह जैसे अपना ही स्पर्श स्वयं अनुभव न कर सकी। मन उसके वश में नहीं था और अतीत के पन्ने खोल रहा था। मानसी की आँखों के आगे पुराने दिन किसी चल-चित्र की तरह आने लगे।

कितना सुन्दर था मानव। ऊँचा कद, गोरा रंग, बड़ी-बड़ी काली आँखें, तीखी नाक, गुलाबी होंठ, मधुर आवाज और इन सब से बढ़कर एक खूबसूरत दिल, जिसमें छल-कपट, ईर्ष्या, द्वेश और अभिमान जैसे भावों के लिए कोई स्थान न था। वह आर्मी ऑफीसर बनना चाहता था। मानसी ने नहाने के लिए गर्म पानी का नॉब खोला। उसका चित्त फिर विचरण करने लगा। तब मानव बारहवीं और वो दसवीं की परीक्षाएं दे रहे थे, जब पापा का तबादला दिल्ली हो गया। पापा को शीघ्र ही वहां कार्य-भार संभालना था। मानव ने एनडीए का फार्म भरा था, जिसकी परीक्षा देने का निर्णय लिया और हम सबको जाने को कहा। कोई भी उसे अकेला छोड़कर नहीं जाना चाहता था। पर मजबूरी में हमें ऐसा करना पड़ा। जाते समय मानसी रोने लगी क्योंकि वह पहली बार मानव के बिना कहीं जा रही थी। मानव उसके आँसू पोंछते हुए बोला मानसी तू रो मत। मैं परीक्षा देते ही आ जाऊँगा। तू बस मेरा कमरा तैयार रखना। मानसी नहा कर बाहर निकल आई। परन्तु उसका अचेतन मन उस निर्णायक दिन की ओर बढ़ रहा था जिस दिन मानव की परीक्षा थी। माँ और मानसी उस दिन मंदिर गए और उसकी सफलता के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। परीक्षा खत्म हो गई होगी। वह मानव के फोन का इंतजार करने लगी। अचानक फोन की घंटी बजी उसने झट कर रिसीवर उठाया हैलो मानव। फोन मानव के दोस्त का था। आगे उसने जो भी कहा वह सुनकर मानसी अवाक रह गई। परीक्षा देकर लौटते समय मानव एक छोटी बच्ची को ट्रक से बचाते हुए बुरी तरह जख्मी हो गया था। पहली ही ट्रेन से हम सब लखनऊ आ गए। तुरन्त अस्पताल पहुँचे। मगर बहुत देर हो चुकी थी। मानव जा चुका था। हमसे दूर बहुत दूर सदा के लिए। डॉक्टर ने बताया कि खून बहुत बह गया था उसका ब्लड ग्रुप बी-निगेटिव था जो उपलब्ध न हो सका। यही ग्रुप तो मानसी का भी था। काश वह यहाँ होती तो मानव खून न मिल पाने की वजह से न मरता। मानसी ने खून से सना कपड़ा हटाकर उसका चेहरा देखा। हर समय चहकता उसका भाई चिर-निद्रा में लीन था। उसके चेहरे पर पीड़ा की एक रेखा अपना प्रतिबिम्ब छोड़ गई थी, जिससे स्पष्ट था कि खून के अभाव में गैरों के बीच बड़े कष्ट से

उसके प्राण निकले थे। पापा दिल के मरीज थे। जवान बेटे की अकाल मृत्यु का सदमा न झेल सके और चल बसे। ऐसा लगा कि जैसे वज्रपात हुआ और सब कुछ राख हो गया। मानसी ने पहली बार मौत देखी थी वह भी अपने घर में और दो-दो मौतें एक साथ। इस घटना के पश्चात् वो लाल रंग से डर जाती और खून-खून चीखने लगती। मानसी की चेतना जैसे वापस लौटी। बहते आँसुओं को रोकने के लिए उसने अपना चेहरा धो डाला। वह माँ के जख्मों को कुरेदना नहीं चाहती थी।

परेशानी में ही उसने साक्षात्कार दिया सौभाग्य से कॉल लेटर आ गया। अब सब कुछ ठीक हो जाने की आशा थी। अरे तू तैयार हो गई। मैं अभी नाश्ता लाती हूँ। माँ ने कहा। वे आज नए जोश से सारा काम कर रही थीं। आज उनका सपना सच होने जा रहा था। माँ ने उसे प्लेट पकड़ाते हुए कहा आज मैने तुम्हारी पसन्द का नाश्ता बनाया है। आलू के पराठे। रास्ते के लिए भी रख दिए हैं। कुछ रूक कर बोलीं मानव को भी आलू के पराठे कितने पसन्द थे। मानसी चौंक पड़ी। माँ को लगा उन्हें ये बात अभी नहीं करनी चाहिए थी। माहौल बदलने को टीवी चला दिया और स्वयं दूसरे कमरे में चली गई। शायद माँ रो रही थीं, मानसी ने अनदेखा किया ताकि वातावरण बोझिल न हो जाए। मानसी ने न्यूज चैनल लगाया। नाश्ता करते-करते उसने सुना एक विशेष सूचना। आर्मी बेस अस्पताल में एक घायल को बी-निगेटिव ग्रुप के खून की अति शीघ्र आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति डा. अमित रघुवंशी से संपर्क करें। बी-निगेटिव यही तो उसका... नाश्ता कर लिया? जल्दी कर वरना देर हो जाएगी। माँ ने कहा। मानसी सामान लेकर बाहर आ गई। उसने माँ को प्रणाम किया और विदा ली। माँ ने उसे सदा सुखी एवं सफल रहने का आशीर्वाद दिया। मानसी ने एक ऑटो रोका और स्टेशन चलने को कहा। वह जा तो रही थी मगर उसका ध्यान अभी भी उस विशेष सूचना में लगा हुआ था। आर्मी बेस अस्पताल मरीज भी शायद कोई सैनिक ही हो। मानव की मृत्यु के बाद से उसे सेना और उससे सम्बन्धित हर वस्तु से चिढ़ हो गई थी। न मानव का झुकाव इस ओर होता न परीक्षा देने के लिए अकेला रूकता और न ही वह...। मानसी ने अपनी आँखें मींच लीं जैसे वह पुरानी यादों से बचना चाहती हो और वैसे भी वह तो बंगलौर जा रही है।

ध्यान बँटाने के लिए वह अपना कॉल-लेटर देखने लगी। बहुत बड़ी और जानी-मानी कम्पनी है, वेतन भी अच्छा मिलेगा। वह मेहनत, लगन और ईमानदारी से काम करके सबका विश्वास जीत लेगी और जल्दी ही उनका ऑपरेशन करवाएगी ताकि वे शीघ्र स्वस्थ हो जाएं। उसके जीवन में माँ के सिवाय और बचा ही कौन है? वह अपनी माँ से बहुत प्यार करती है और उनके लिए कुछ भी कर सकती है। पर वह मानव के लिए क्या कर पाई? उसे सारी जिंदगी इस बात का मलाल रहेगा कि वह मानव के लिए कुछ नहीं कर सकी। वह उसे अकेले क्यों छोड़ आई? अगर वह भी साथ होती तो मानव को कुछ नहीं होता। खून का आखिरी कतरा देकर भी वह उसकी जान बचाती। उसका साहसी भाई अपनी आखिरी लड़ाई बिना लड़े ही हार गया। मानसी की आँखों के आगे मानव से अंतिम मुलाकात का दृश्य घूम गया, मानव प्लेटफार्म पर खड़ा हाथ हिला रहा है, मानों सदा के लिए अलविदा कह रहा हो। कितना असीम दुख है। एक ऐसा जख्म जिस पर वक्त का मरहम भी बेअसर है। किसी अपने को खोने का दुख क्या होता है वह अच्छी तरह जानती है। जो अपार कष्ट उसने झेला है क्या वह किसी और को उसमें झोंक सकती है? अगर वह मरीज नहीं बचा तो उसके परिवार पर भी तो वही बीतेगा जो मानव के न रहने पर उस पर बीती थी। मानसी अपने मन में आए विचार से भयभीत थी। परन्तु कुछ संभल कर माँ के बारे में सोंचने लगी। बढ़ती उम्र के कारण जब माँ को एक रोग लग गया है तब यह उसका कर्तव्य है कि वह उनका उपचार कराए। यह इस नौकरी के बिना संभव नहीं है। मानसी जैसे अपनी अंतरात्मा से तर्क-वितर्क कर रही थी। और फिर उसे खून देने से मानव तो जिंदा नहीं हो जाएगा। ये मरीज उसका लगता क्या है? छि: कितनी स्वार्थी है वह। उसकी अंतरात्मा ने उसे धिक्कारा। क्या यही मानवता है? क्या माँ ने उसे यही संस्कार दिए हैं? ये बात अगर उस समय कोई मानव के लिए कहता तो उसे कैसा लगता? माँ के पास तो फिर भी आठ-दस महीने हैं मगर उस मरीज के पास मात्र कुछ घण्टे ही शेष हैं। मानव के पास पहुंचने में तो उसे देर हो गई थी। पर वह उस मरीज को मौत के मुँह में छोड़कर जा रही थी उसके पास प्रायश्चित करने का एक अवसर था। वह अगर आज नहीं गई तो वह अपनी ही नजरों में गिर जाएगी। पहले वह सपना फिर बात-बात पर मानव का याद आना औ परिस्थितियाँ कदाचित यही संकेत दे रहे थे कि उस घायल के प्राणों को बचाना ही उसकी तत्कालिक प्राथमिकता है। स्टेशन आ चुका था परन्तु उसने अस्पताल चलने को कहा। थोड़ी देर में मानसी वहाँ पहुँच गई। चेक-अप के पश्चात् फौरन खून चढ़ाया जाने लगा। मानसी को एक अजब सा सुकून मिला। उसने आँखें बंद कर लीं। काफी देर बाद नर्स ने उसे बताया कि मरीज खतरे से बाहर है। वह बोली मेजर मानव पुण्डीर आतंकवादियों से स्कूली बच्चों को बचाते हुए घायल हो गए थे। उनका परिवार अभी तक पहुंच नहीं पाया है। आपने आकर बहुत अच्छा किया। आर्मी ऑफीसर। वही नाम। वही ब्लड ग्रुप। वही उद्देश्य सब कुछ वैसा ही। मानसी को लगा मानों बिस्तर पर मानव लेटा हो उसका भाई मानव।

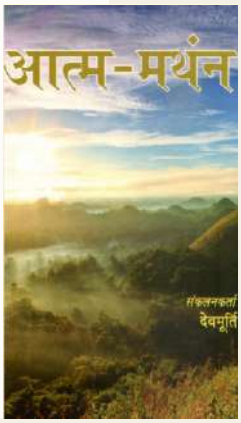

(समाप्त)

NEW EMPLOYEE

(Till July 2022)

Dr. D.N. RAO
Professor
MBA
SRMS CET

DR. RAJ KISHORE TANDON
Consultant
MD Medicine (General Medicine)
SRMSIMS, BAREILLY

DR. MOHD TARIQ
Asst. Professor
M.D. (Respiratory Medicine)
SRMSIMS, BAREILLY

Dr. AMIT SANGER
Assistant Professor
Basic Science
SRMSCET, Bareilly

RAGHAWENDRA KUMAR
Assistant Professor
MBA
SRMS CET, Bareilly

SATYDEV
Assistant Professor
Mechanical Engineering
SRMSCET, Bareilly

DEEPAK KUMAR GUPTA
Assistant Professor
SRMS College of Law
Bareilly

MAYUR ANAND
Assistant Professor
SRMS College of Law
Bareilly

PRAMOTIONS

DR. M. P. RAWAL
Professor
General Medicine
SRMSIMS, BAREILLY

DR. ASHITA MOWAR
Asso. Professor
Anaesthesia
SRMSIMS, BAREILLY

DR. NIDHI JOHRI
Asso. Professor
Pathology
SRMSIMS, BAREILLY

एसआरएमएस ट्रस्ट के
संस्थानों में संबद्ध
होने वाले सभी नए एवं
पदोन्नत साथियों को
बधाई एवं
शुभकामनाएं ...

देश के सभी मेडिकल कालेज में एसआरएमएस को 34वां स्थान

प्रतिष्ठित पत्रिका इंडिया टुडे ने पिछले महीने (जुलाई 22) प्रकाशित अपने अंक में एसआरएमएस मेडिकल कालेज को देश के टाप टेन कालेजों में स्थान दिया। इंडिया टुडे के सर्वे में वर्ष 2000 और इसके बाद स्थापित सभी सरकारी और निजी मेडिकल कालेजों की लिस्ट में सबसे ज्यादा अंक पाने वाले मेडिकल कालेजों की लिस्ट जारी की। इसमें एसआरएमएस को नौवां स्थान दिया गया। देश के सभी मेडिकल कालेजों की इंडिया टुडे की ओवरआल रैंकिंग में एसआरएमएस मेडिकल ने पिछले वर्ष 38वें के मुकाबले बढ़त लेते हुए 34वां स्थान हासिल किया। इस रैंकिंग के साथ एसआरएमएस मेडिकल कालेज को प्रदेश में पांचवां स्थान मिला। पहला, दूसरा और तीसरा स्थान सरकार द्वारा संचालित मेडिकल कालेज बीएचयू, केजीएमयू और एमएमयू को हासिल हुआ है। ऐसे में प्रदेश में पांचवां स्थान मिलना एसआरएमएस के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। संस्थान के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति जी ने उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया और इसका श्रेय संस्थान में कार्यरत सभी लोगों को दिया।

TOP 10 EMERGING COLLEGES
Highest-scoring colleges among those set up in or after 2000

RANK 2022	COLLEGE	CITY
1	VARDHMAN MAHAVIR MEDICAL COLLEGE	New Delhi
2	ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES (AIIMS)	Bhubaneswar
3	ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES (AIIMS)	Jodhpur
4	ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES (AIIMS)	Rishikesh
5	ARMY COLLEGE OF MEDICAL SCIENCES	New Delhi
6	ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES (AIIMS)	Raipur
7	ERA'S LUCKNOW MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL	Lucknow
8	DR RAJENDRA PRASAD GOVERNMENT MEDICAL COLLEGE	Kangra, HP
9	SHRI RAM MURTI SMARAK INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES	Bareilly
10	SIKKIM MANIPAL INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES	Gangtok

डा.ललित सिंह / एसआरएमएस मेडिकल कालेज

क्रिटिकल केयर में योगदान पर यूरोएशिया अवार्ड

क्रिटिकल केयर मेडिसिन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए एसआरएमएस मेडिकल कालेज के क्रिटिकल केयर इंचार्ज और पल्मोनरी विभाग के एचओडी प्रोफेसर (डा.) ललित सिंह को यूरोएशिया 2022 अवार्ड प्रदान किया गया। यह अवार्ड इंटेंसिव केयर मेडिसिन की यूरोपियन सोसायटी (ESICCM) और क्रिटिकल केयर मेडिसिन की इण्डियन सोसायटी (ISCCM) के संयुक्त तत्वाधान में द्वारा नई दिल्ली में आयोजित समारोह के दौरान तीन जुलाई को दिया गया। ESICCM के प्रेसीडेन्ट मारूजियो सैकोनी और ISCCM के अध्यक्ष डा. राजेश मिश्रा ने प्रदान किया। 6 जून को डा.ललित ने वाराणसी में आयोजित यूपी-यूके क्रिटिकान में स्वतंत्रता सेनानी श्रीराम मूर्ति जी पर व्याख्यान दिया।

डा.स्मिता गुप्ता/ एसआरएमएस मेडिकल कालेज

एपीआई के मेडिसिन अपडेट में आलेख

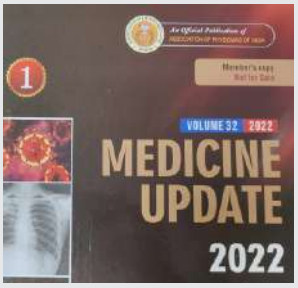

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में जनरल मेडिसिन विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर (डा.) स्मिता गुप्ता का आर्टिकल एसोसिएशन आफ फिजीशियन आफ इंडिया की प्रतिष्ठित मैगजीन मेडिसिन अपडेट 2022 में प्रकाशित हुआ। इसमें उन्होंने दुर्लभ जोग्रेन सिंड्रोन से पीड़ितों के बढ़ने की वजहों और इसके निदान पर आलेख लिखा। आंसू, पसीना और लार का कम बनना इसके सामान्य लक्षण हैं। बालों का गिरना और जोड़ों में दर्द होना भी इससे मरीजों में शुरू हो जाता है। समय पर उपचार न होने पर यह सिंड्रोम किडनी पर भी दुष्प्रभाव डालता है। यह जिसका स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ता और ये गंभीर स्थिति होती है।

डा.अरविंद चौहान / एसआरएमएस मेडिकल कालेज

कैंसर के मरीजों के उपचार के लिए सम्मान

कैंसर के मरीजों के इलाज में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए एसआरएमएस मेडिकल कालेज के प्रोफेसर द्धडा.ऋ अरविंद चौहान को प्रदेश स्तर पर सम्मानित किया गया। स्टेट एजेंसी फार कंप्रीहेंसिव हेल्थ इंश्योरेंस एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज द्धसाचीऋ की ओर से लखनऊ में पहली जुलाई को डाक्टर्स डे मनाया गया। इसमें प्रदेश के 27 मेडिकल कालेजों में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना द्धएबीपीएमजेएवाईऋ के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले डाक्टरों को सम्मानित किया गया। समारोह में संस्था की सीईओ संगीता सिंह ने एबीपीएमजेएवाई में सर्वाधिक कैंसर मरीजों का इलाज करने के लिए डा.अरविंद चौहान को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

डॉ. शशिबाला आर्या, डॉ. रूचिका गोयल / एसआरएमएस मेडिकल कालेज

विद्यार्थियों के अध्ययन के लिए बांझपन पर चैप्टर

महिला और पुरुषों में बांझपन के अध्ययन के लिए मैनुअल आफ असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलश्वजीज एंड लैबोरेटरी साइंसेज बुक इस्तेमाल की जाती है। इसके नए संस्करण में एसआरएमएस मेडिकल कालेज में स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर द्धडा.ऋ शशिबाला आर्य और डा.रुचिका गोयल पुरुषों में बांझपन पर एक चौप्टर लिखा है। मरीजों पर अध्ययन के बाद लिखे गए इस चौप्टर से मेडिकल के विद्यार्थियों को बांझपन को समझने में काफी मदद मिल रही है।

Dr. Shashi Bala Arya

Dr. Ruchika Goyal

डॉ. वास्वी महाजन / एसआरएमएस मेडिकल कालेज

नेशनल कांफ्रेंस में मिला गोल्ड मैडल

एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डर्मेटोलाजी विभाग की जेआर 2 डा.वास्वी महाजन ने डा. अमरकांत झा गोल्ड मेडल हासिल किया। यह मेडल उन्हें रामनगर में आयोजित एसोसिएशन आफ क्लीनिकल डर्मेटोलाजी इंडिया के नेशनल कांफ्रेंस में दिया गया। नेशनल कांफ्रेंस में देश भर के डर्मेटोलाजिस्ट शामिल हुए। दस लोगों के प्रेजेंटेशन में से डा. वास्वी के विषय पर दिए गए प्रेजेंटेशन को जूरी ने पहला पुरस्कार प्रदान किया। जिसमें उन्हें डा. अमरकांत झा गोल्ड मेडल के साथ प्रशस्ति पत्र मिला।

डा. दीप पंत / एसआरएमएस मेडिकल कालेज

केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री ने किया अभिनंदन

टेलीमेडिसिन के जरिये कोरोना के दौरान मरीजों को उपचार देने और कार्डियोलाजी क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री एसपीएस बघेल ने एसआरएमएस मेडिकल कालेज के प्रोफेसर (डा.) दीप पंत का अभिनंदन किया। बघेल ने डा.पंत को यह अभिनंदन पत्र सीमांत सेवा फाउंडेशन द्वारा नई दिल्ली में 25 जून को सम्मान समारोह में प्रदान किया। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी आनलाउन समारोह में शामिल हुए।

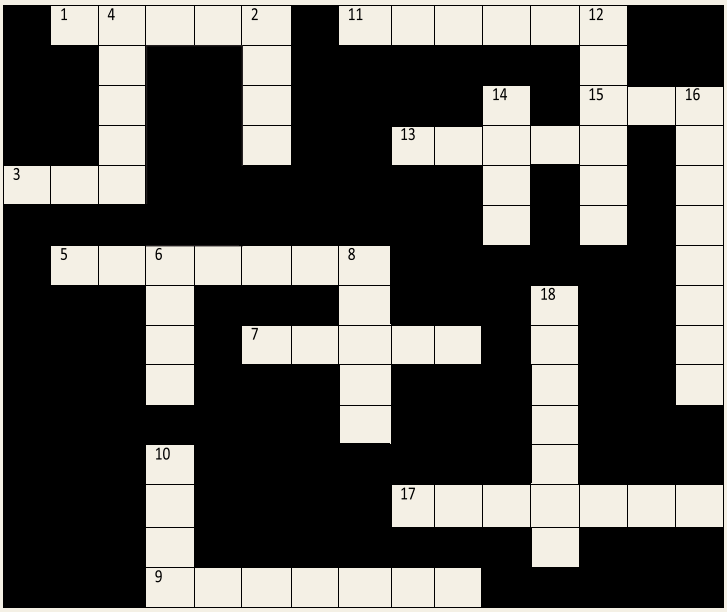

Crosswords No. 26

HORIZONTAL

1. Obtained from dried poppy seeds, acts as an analgesic
3. Aromatic leaf commonly used in cooking 5. Grown for hay and fodder, also known as jowar 7. Used in Mediterranean cuisine, consumed as a fruit or in oil form 9. One of the richest and cheapest sources of protein 11. Has a strong odour, sometimes called stinking rose 13. A cereal grain and is used worldwide as a staple food 15. Used to make an aromatic beverage prepared by pouring hot water over cured leaves 17. Rich in many nutrients including fiber, healthy fats, vitamin C, magnesium

VERTICAL

2. Tender herb with anti-inflammatory nature, especially reduces inflammation of stomach 4. Unhusked rice
6. Requires ample amount of water for cultivation
8. Used for making corn starch and corn syrup 10. Moist fleshed variety of sweet potato 12. Soft fluffy fiber that grows in a boll/protective case 14. Plant used as an insecticide, used to treat malaria, skin diseases 16. Used to relieve heartburn, lower blood sugar levels, treat sunburns 18. Causes COPD, diabetes, cancer, CHD

क्रॉस वर्ड एवं सुडोकू का
परिणाम अगले अंक में देखें

Sudoku No. 26

2		9		4		6		
5			8		6			2
	7			1		3		
4		2		6			9	
			1		8			3
	9				2		6	
				5		7		9
	5		9		7		2	
9		7		2		4		6

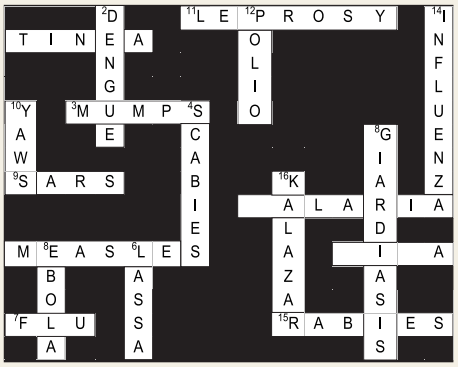

Answer: Crosswords No. 25

7	4	6	2	9	3	8	5	1
8	3	9	5	4	1	7	6	2
5	2	1	7	8	6	3	4	9
2	5	4	6	7	8	1	9	3
1	6	3	9	2	4	5	7	8
9	7	8	3	1	5	4	2	6
4	8	2	1	5	9	6	3	7
6	1	7	4	3	2	9	8	5
3	9	5	8	6	7	2	1	4

Answer: Soduko No. 25

Shri Ram Murti Smarak Institutions

Bareilly | Lucknow | Unnao

SRMS

AN INVESTMENT IN KNOWLEDGE PAYS THE BEST INTEREST

Shaping Real Making Success Since 1996

★ ₹ 3.5 Cr ★ SCHOLARSHIP* (Max. ₹ 2,25,000 & Min. ₹ 20,000) Scholarships awarded every year to the meritorious students of Trust Institutions	★ ₹40,000 UPTO ★ ENTRY LEVEL SCHOLARSHIP* ONLY IN FIRST YEAR	★ 15000+ ★ GLOBAL ALUMNI NETWORK	★ ₹ 19 LPA ★ HIGHEST PACKAGE ★ ₹ 4.4 LPA ★ AVERAGE PACKAGE EXCELLENT PLACEMENT RECORD

OUR HIGHLIGHTS

- Outcome Based Education & Value Added Courses
- Industry Demanded Specializations & Certifications
- Entrepreneurship Development Cell
- Hands-On Exposure through MOUs with Leading Industries
- World Class Infrastructure with Modern Facilities for Teaching & Research
- Exposure to Funded R & D Projects
- Innovation & Incubation Cell
- Project Based Learning
- 1000 Beds Multi Super Speciality Tertiary Care Hospital & Trauma Centre
- International Exposure for Research & Development
- World Class Infrastructure for Holistic Development
- Exposure to Patent Filling

COURSES OFFERED

B.Tech M.Tech	B.A. LL.B. LL.B.	BCA MCA	MBBS	PARAMEDICAL - Master - Bachelor - Diploma	NURSING - M.Sc - GNM - B.Sc - ANM - PB B.Sc
B.Pharm M.Pharm	BBA | MBA MBA+PGP	B.Com (Hons.)	MD/MS		

* Visit Website for Details

OUR CAMPUSES

- SRMS College of Engineering & Technology, Bareilly (U.P.)
- SRMS College of Engineering & Technology (Pharmacy), Bareilly (U.P.)
- SRMS College of Engineering, Technology & Research, Bareilly (U.P.)
- SRMS International Business School, Lucknow (U.P.)
- SRMS College of Law, Bareilly (U.P.)
- SRMS Institute of Medical Sciences, Bareilly (U.P.)
- SRMS College of Nursing, Bareilly (U.P.)
- SRMS Institute of Paramedical Sciences, Bareilly (U.P.)
- SRMS College of Nursing & Paramedical Sciences, Unnao (U.P.)
- SRMS Riddhima – A Centre of Performing & Fine Arts, Bareilly (U.P.)

CAMPUS ADDRESSES:

BAREILLY : Ram Murti Puram, 13 Km. Bareilly-Nainital Road, Bareilly-243 202 (U.P.)

UNNAO : 35 Km. on NH-25, Lucknow-Kanpur Highway - 209 859 (U.P.)

Admission Helpline : 7055999555 | www.srms.ac.in | admission@srms.ac.in